राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान
उच्चतर माध्यमिक पाठ्यक्रम - हिंदी
पाठ - 28 : जिजीविषा की विजय
कार्यपत्रक - 28

1. विकलांगता का मुद्दा आज अधिक महत्वपूर्ण क्यों है? पाठ के संदर्भ में स्पष्ट कीजिए।

2. लेखक प्रो. रघुवंश की कला को इतना महत्वपूर्ण क्यों मानते हैं? उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए।

3. 'बदलते दौर में विद्यार्थियों को प्रो. रघुवंश की तरह लिखने में सक्षम होना चाहिए।' इस विचार से आप कितना सहमत हैं? तर्क सहित उत्तर दीजिए।

4. यदि आप किसी कार्यालय में नौकरी करने जाते हैं तो वहां किसी दिव्यांग के साथ काम करते हैं तो किन-किन बातों का ध्यान रखेंगे? स्पष्ट कीजिए।

5. 'यह मन ही तो है,जिसमे चाह है,लक्ष्य है वहीँ उसमें पवित्रता, कोमलता व प्रियता है'। इसके बारे में आपकी क्या राय है?उदाहरण सहित प्रस्तुत कीजिए।

6. 'जिजीविषा की विजय' पाठ की भाषागत विशेषताओं का उदाहरण सहित उल्लेखकीजिए।

7. 'मन को विद्वानों ने तीन मंजिला भवन-नव वल्कल, वत्सल, सर्पिल माना'। इस कथन की व्याख्या उदाहरण देकरप्रस्तुत कीजिए।

8. पाठ में प्रो. रघुवंश के जीवन की अनेक प्रमुख घटनाओं का उल्लेखकिया गया है। उन्हें चित्रात्मक तरीके से प्रस्तुत कीजिए।

9. संस्मरण में अनेक तत्त्व होते हैं जिनका सुंदर नियोजन इस पाठ में किया गया है। किन्हीं चार का वर्णन कीजिए।

10. किसी व्यक्ति का संस्मरण लिखते समय किन-किन बातों का विशेष ध्यान रखेंगे? स्पष्ट कीजिए।

राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान
उच्चतर माध्यमिक पाठ्यक्रम - हिंदी
पाठ - 28 : जिजीविषा की विजय
कार्यपत्रक - 28